

- ① सुख-दुख के मधुर मिलन से
- ③ तुम घाटी में आर हो।
- ④ • सप्तम घूमता रहा।  
• सप्तम धरती पर घूमता रहा।  
• सप्तम धरती पर खुशी से घूमता रहा।  
• रंजीता सप्तम धरती पर खुशी से घूमता रहा।
- ⑤ अरुण गाँधी के झूठ पर प्रायश्चित्त करते हुए पिता ने घर तक के अवरोह मील दूरी पैदल चलकर तय किया। इस घटना से खुशी होकर अरुण गाँधी ने ऐसा निर्णय लिया।
- ⑦ मेहनत
- ⑧ हमें परिश्रम से धन कमाना चाहिए।
- ⑨ • मेहनत से कमाया एक पैसा भी हशम में मिली नोटों की जइसी से कहीं अधिक मूल्यवान होता है।  
• बद्रमाशों को आशानी से काबु में किया जा सकता है।  
• नकल करके पास होने से फेल होना बेहतर है।  
• शीट से अलग होकर अपना शस्ता बनाना  
• मानव-जाति पर उसकी असीम श्रद्धा बनी रहे।  
• दुख में भी हँसना सीखें।
- ⑩ जंगल के बीच <sup>इफले में एक दिन</sup> क्लिनिक चलाना परसंद करती हैं।  
• भारी वर्षा के समय भी <sup>पैदल</sup> नदी पार करके चिकित्सा केलिए आती थी।  
• अगर एक दिन जंगल में ही रुकना पडा तो फूक कन्ची झाँपडी में रहते हुए भोजन बनाकर खाती थी।  
• वेतन से ज्यादा महत्व <sup>आदिवासी लोगों की</sup> चिकित्सा केलिए देती थी।
- ⑫ खजूर के पेड से
- ⑬ खजूर का पेड - लंबा होता है।  
• पेडों से हमें - छाया मिलती है।  
• ज्ञान का लक्ष्य - सबकी भलाई है।  
• माल बडे होने से - कोई फायदा नहीं।

14. गरीबी
15. बीमारों की रक्षा करना डॉक्टर का कर्तव्य है। IIIIV
- शरीर के चिथड़े गरीबी को दिखाते हैं।
  - मजदूरों को ज्यादा काम करना पड़ता है।
  - आम जनता के पैसे से डॉक्टरी की शिक्षा चलती है।
16. बूढ़ी महिला जानती थी।
17. अच्छा इंसान बनना।

18.

सरकारी हाई स्कूल, वर्कला

~~नाटक~~ नाटक का मंचन

※ शाहंशाह अकबर का कौन सिखाया ※

हिंदी क्लब की ओर से

शितंबर 14 हिंदी दिवस का

स्कूल सभा भवन में

शुबह 10 बजे

रचना - हिंदी अध्यापक

निर्देशन - नवीन, आठवीं कक्षा

प्रस्तुति - आठवीं कक्षा के छाल-छालाएँ

~~आइए~~ आइए

आइए - - - - - देखिए - - - - - मजा लूटिए - - - - -

सबका स्वगत